एचएलएल

समन्वया

अंक - 33, मार्च 2022

महिलायें हर परिवार की शक्ति हैं, उनकी काबिलियत पर निर्भर है एक समाज का विकास।

सत्यमेव जयते

स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

दवाओं और सर्जिकल उपकरणों के लिए

60%

औसत छूट

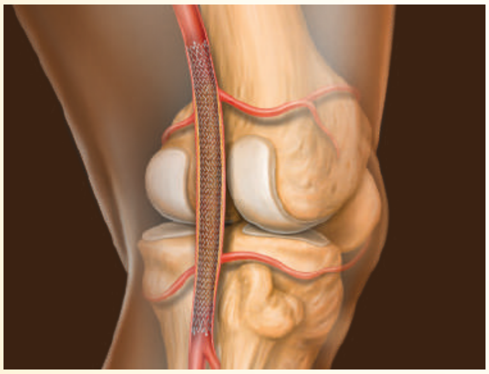

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार के एक नवीन पहल

www. amritcare.co.in

अमृत दीनदयाल

मेडिकल्स

चिकित्सा के लिए किफायती दवायें और विश्वसनीय उपकरण

विषय-सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	05
संपादकीय	06
नराकास (उपक्रम) को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार	07
एचएलएल महिला स्वास्थ्यरक्षा पर केंद्रित कंपनी	08
एचएलएल - राजभाषा कार्यान्वयन में प्रतिबद्ध	14
एचएलएल शब्दावली	22
नेमी टिप्पणियाँ	24
अखिल भारतीय राजभाषा सेमिनार में पुरस्कृत लेख	26
सृजनशीलता	32
ताज़ा खबर	40

अंक 33, मार्च 2022

संपादक मंडल

संरक्षक के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, **मुख्य संपादक** डॉ. रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), **संपादक मंडल** डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन उपाध्यक्ष (आई बी डी, एस पी & सी सी), डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), डॉ. सुरेष कुमार. आर, प्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय सहायक आशा.एम, शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल, लक्ष्मी सुदर्शनन

समन्वयक के.मुरलीधरन, सहायक प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार)

डिजाइनिंग श्रीजित.एस.एल, (कॉर्पोरेट संचार)

मुद्रक अक्षरा ऑफसेट प्रिंटेर्स, तिरुवनंतपुरम।

संपादित एवं प्रकाशित (केवल मुफ्त परिचालनार्थ) हिंदी विभाग, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाषः 2354949.

वेबः www.lifecarehll.com **फैक्सः** 0471-2358890

समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड का कोई संबंध नहीं है।

संविधान की अष्टम अनुसूची में विनिर्दिष्ट भाषाएं

1. असमिया	6. गुजराती	11. मराठी	16. मणिपुरी	21. बोडो
2. उड़िया	7. तमिल	12. मलयालम	17. नेपाली	22.डोगरी
3. उर्दु	8. तेलुगु	13. संस्कृत	18. कोंकणी	
4. कन्नड़	9. पंजाबी	14. सिन्धी	19. मैथिली	
5. कश्मीरी	10. बंगला	15. हिंदी	20. संथाली	

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रूप में जारी किए जानेवाले दस्तावेज़

1. सामान्य आदेश	General Order
2. संकल्प	Resolution
3. नियम	Rules
4. अधिसूचना	Notification
5. प्रेस संसूचनायें/विज्ञप्तियाँ	Press Communiques/Releases
6. संविदा	Contracts
7. करार	Agreements
8. अनुज्ञप्तियाँ	Licenses
9. अनुज्ञापत्र	Permits
10. सूचना	Notice
11. निविदा प्रपत्र	Forms of Tender
12. निविदा सूचनायें	Tender Notices
13. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने वाले शासकीय कागज़ातें	Official Papers to be laid before a House or Houses of Parliament
14. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक और अन्य रिपोर्टें	Administrative and other reports to be laid before a House or Houses of Parliament

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

'अपने कदमों की काबिलियत पर, अपने शक्तियों पर भरोसा करने वाले एक दिन अपने लक्ष्य पर ज़रूर पहूँच जायेंगे।'

पिछले ढाई सालों से कोविड महामारी के चंगुल में फंसकर तितर - बितर हुई ज़िंदगी को प्रकाशपूर्ण करने के लिए और अपने सपनों को साकार करने के लक्ष्य की ओर हम सब अग्रसर हो रहे हैं। इस विकराल स्थिति से गुज़र रहे संपूर्ण राष्ट्र आज राहत का सांस ले रहे हैं, क्योंकि सरकार लगभग पच्चानबे प्रतिशत से अधिक लोगों को वैक्सीन प्रदान करने में सक्षम बन गयी हैं। यहाँ उल्लेखनीय बात यह है कि 'पूरी तरह से टीकाकरण राष्ट्र' बनाने के सरकार के श्रम में एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को भी हिस्सा लेने का मौका मिला। इस प्रयत्न में हमारे विभिन्न विभागों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके अलावा हमारे अन्य सामाजिक जिम्मेदारी कार्यकलापों में हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी) एवं एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए) का योगदान भी सराहनीय ही है।

इस प्रकार देश भर की आम जनता की स्वास्थ्यरक्षा पर ध्यान देने के साथ ही हम, कंपनी में संघ सरकार की राजभाषा नीति को कार्यान्वित करने और इसका अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रचलित वर्ष में कंपनी में वैविद्यपूर्ण हिंदी कार्यक्रम - हिंदी में तकनॉलजी सेमिनार और करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा कार्यशाला, कंठस्थ पर सेमिनार, अनुवाद कार्यशाला, अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी, हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें, वाक्पटुता कार्यक्रम - आयोजित करने में सक्षम बन गये। इसके साथ ही, अपना शासकीय कामकाज हिंदी में भी करने के लिए प्रवीण बनाने के लक्ष्य से कंपनी के कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर्मचारियों को 'पारंगत' पाठ्यक्रम में भर्ती की गयी।
इसी तरह नवाचार हिंदी कार्यक्रम आयोजित करके राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के फलस्वरूप एचएलएल विविध उपलब्धियों - राजभाषा कीर्ति पुरस्कार, सेंटाड पुरस्कार, हिंदी प्रचार सभा पुरस्कार, सहस्राब्धि राजभाषा शील्ड एवं टोलिक राजभाषा पुरस्कार - के लिए हकदार बन गये।
एचएलएल की अर्ध वार्षिक गृह राजभाषा पत्रिका **'समन्वया'** से विद्यमान साल की कंपनी की नयी सेवाओं एवं हिंदी कार्यकलापों के यथावत् विवरण सभी पाठकों को मिलेगा। इस पत्रिका के तैंतीसवाँ अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करने में मुझे बेहद खुशी है। मैं सभी पाठकों से कामना करता हूँ कि इस पत्रिका के आगामी अंकों को मनमोहक एवं सारगर्भित बनाने के लिए आपके बहुमूल्य सुझाओं से हमें अवगत करा दें।

हार्दिक बधाइयों के साथ।

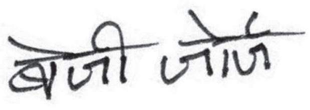

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

हिंदी भाषा भारत की संस्कृति एवं संस्कार की वाहिका होने के साथ - साथ एकता एवं अखंडता की प्रमुख कडी भी है। हिंदी भाषा के विकास में यह बात दृष्टव्य है कि समय और समाज के बदलाव के निशान इस भाषा में हम देख सकते हैं। जिससे हिंदी भाषा का इतना व्यापक प्रचार - प्रसार हुआ है। अतः राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्कभाषा, बाज़ारी भाषा एवं तकनीकी भाषा के रूप में संपन्न हिंदी भाषा के उत्तरोत्तर विकास के लिए प्रयत्न करना हरेक का सामाजिक जिम्मेदारी है। इसके अतिरिक्त संघ सरकार की भाषा यानी राजभाषा के रूप में केंद्र सरकार के कार्यालयों में इस भाषा का कार्यान्वयन लागू करना हमारा संवैधानिक उत्तरदायित्व भी है। यह बात समझकर और इसको मानते हुए कंपनी में राजभाषा नीति से संबंधित मुद्दों का शत प्रतिशत कार्यान्वयन अमल करने एवं सुनिश्चित करने में खास महत्व देकर, अंतरूनी एवं बहिरंगी तौर पर विभिन्न तरह के हिंदी कार्यक्रम आयोजित करने में हम सफल हुए हैं।

एचएलएल, भारत भर के साधारण जनता की स्वास्थ्यरक्षा को प्रमुखता देकर जनोपयोगी सेवायें प्रदान करने के साथ - साथ राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए माहवार वैविद्यपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने में हमेशा तल्लीन रहते हैं। विद्यमान साल में भी कंपनी में हम राजभाषा कार्यशाला, कॉलेज विद्यार्थियों के लिए तकनीकी सेमिनार एवं हिंदी करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम, राज्यस्तरीय राजभाषा संगोष्ठी, राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम, हिंदी प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यकलाप आयोजित कर सके।

प्रचलित वर्ष में कंपनी में चलाये गये राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों का पूरा का पूरा चित्रण हम कंपनी की राजभाषा पत्रिका **'समन्वया'** के ज़रिए दूसरों के पास पहूँचाने का भरपूर कोशिश करते हैं। इस पत्रिका के तैंतीसवाँ अंक मैं, बेहद खुशी के साथ आपके सामने प्रस्तुत करना चाहता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि सभी पाठक इस पत्रिका के भविष्य के अंक को आकर्षक एवं ज्ञानवर्द्धक बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दें।

हर्दिक शुभकामनाओं के साथ।

रॉय सेबास्टियन

डॉ.रॉय सेबास्टियन
उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) अपने प्रयाण की शुरुआत से केंद्र गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दक्षिण - पश्चिम क्षेत्र के केंद्र सरकार, उपक्रम एवं बैंक के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए संस्थापित **क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार (दूसरा स्थान)** के लिए हकदार बन गयी। 04.12.2021 को डॉ. होमी भाभा कन्वेंशन सेंटर ऑडिटोरियम, हैदराबाद में आयोजित दक्षिण - पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा विभाग के संयुक्त सचिव डॉ.मीनाक्षी जौली के करकमलों से डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), एचएलएल एवं सदस्य सचिव नराकास (उपक्रम) ने यह राजभाषा शील्ड स्वीकार किया।

इस उपलब्धि के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिये गये डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), एचएलएल एवं सदस्य सचिव नराकास (उपक्रम) को डॉ.मीनाक्षी जौली द्वारा **प्रशस्ति पत्र** भी प्रदान किया गया।

पर्यावरण अनुकूल मासिक धर्म कप एक गेम 'चेंजर'

> *मासिक धर्म कप एक गेम चेंजर है, विशेष रूप से महिलाओं को उनके मासिकधर्म के दौरान स्वतंत्र रूप से यात्रा करने में मदद करता है और यह एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प एवं पर्यावरण अनुकूल भी है।*

श्रीमती वीना जोर्ज, स्वास्थ्य एवं बाल विकास मंत्री, केरल सरकार ने 7 अक्तूबर 2021 को मस्कट होटल में मासिक धर्म कप के बारे में जागरूकता सृजन और वितरण पर परियोजना - थिंकल का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा, 'मासिक धर्म कप एक गेम चेंजर है, विशेष रूप से महिलाओं को उनके मासिकधर्म के दौरान स्वतंत्र रूप से यात्रा करने में मदद करता है और यह एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प एवं पर्यावरण अनुकूल भी है। थिंकल, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड की शैक्षिक एवं सामाजिक विकास पहल, एचएचएल प्रबंधन अकादमी द्वारा कार्यान्वित एक सीएसआर पहल है। पहले चरण में तिरुवनंतपुरम के तटीय प्रदेशों जैसे वलियतुरा वार्ड और शंखुमुखम वार्डों में, कवडियार, पेरूरकडा वार्डों में हज़ारों स्त्रियों को शामिल करके थिंकल योजना लागू की गई। एड्वकेट आन्टनी राजु, परिवहन मंत्री, केरल सरकार ने थिंकल एम-कप जागरूकता पुस्तिका का विमोचन करते हुए कहा कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मानक का एक नई पहल है। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की रक्षा के उद्देश्य से, केरल की महिलाओं द्वारा इस योजना को एक साथ अपनाएगा। उन्होंने यह भी जोडा कि सीएसआर फंड का उपयोग कैसे करना है, इसका उत्कृष्ट मोडल है, एचएलएल। एचएलएल अपने प्रारंभ काल से ही स्वास्थ्यरक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय कदम उठाया जा रहा है।

मस्कट होटल में आयोजित समारोह में एचएचएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बेजी जोर्ज, अध्यक्ष रहा। डॉ.अमर फेटिल, राज्य नोडल अधिकारी (किशोर स्वास्थ्य) ने आशीर्वाद भाषण, एचएलएल के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री ई.ए.सुब्रमण्यन ने स्वागत भाषण और डॉ. अनिता तंपी ने धन्यवाद भाषण दिया। थिंकल योजना 31 मार्च 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है। थिंकल एम-कप, एक सुरक्षित एवं स्वस्थ मासिक धर्म स्वच्छता उत्पाद है। एचएलएल ने पहले कोच्चि, आलप्पुषा नगरपालिका में थिंकल योजना लागू किया था।

‘थिंकल मासिक धर्म कप’ जागरूकता एवं वितरण शिविर

एचएलएल के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रम के अधीन 13.11.2021 को एर्णाकुलम जिला के कलमश्शेरी नगरपालिका टाउन हॉल में एचएलएल प्रबंधन अकादमी और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सीएसआर परियोजना थिंकल (थिंकल मासिक धर्म कप’ जागरूकता एवं वितरण कैंप) का उद्घाटन श्री पी. राजीव, उद्योग, कानून और कयर विभाग मंत्री, केरल सरकार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में श्री हैबी ईडन, सांसद, श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस परियोजना का उद्देश्य, एर्णाकुलम जिले में 20000 मुफ्त मासिक धर्म कप वितरित करना है।

इसके अलावा एचएलएल प्रबंधन अकादमी द्वारा विश्व महिला दिवस के अवसर पर कोच्चि मेट्रो में आयोजित थिंकल मासिक धर्म कप' जागरूकता एवं वितरण शिविर का उद्घाटन केएमआरएल के प्रबंध निदेशक श्री लोकनाथ बेहेरा द्वारा किया गया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि आज महिलाओं ने समाज के सभी क्षेत्रों में कदम रखकर यह सिद्ध किया है कि उनके लिए कोई काम कठिन नहीं है। इसलिए महिलाओं को हमेशा अपनी स्वास्थ्यरक्षा पर अधिक ध्यान देना चाहिए। इस कार्यक्रम में कोच्चि मेट्रो की अनेक महिला कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

बाद में, एचएलएल के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रम के तहत एचएलएल और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के संयुक्त नेतृत्व में एर्णाकुलम जिले के मुलमतुरुत्ति में थिंकल मासिक धर्म कप' वितरण पद्धति का उद्घाटन मुलमतुरुत्ति पंचायत के अध्यक्ष श्री राजु ने किया। इस के लिए निधिकरण इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में एचएमए और पंचायत के कर्मचारियों के साथ परिसर के असंख्य लोगों की भागीदारी हुई।

कुंबलंगी पंचायत : भारत की प्रथम सैनिटरी नैपकिन मुक्त पंचायत

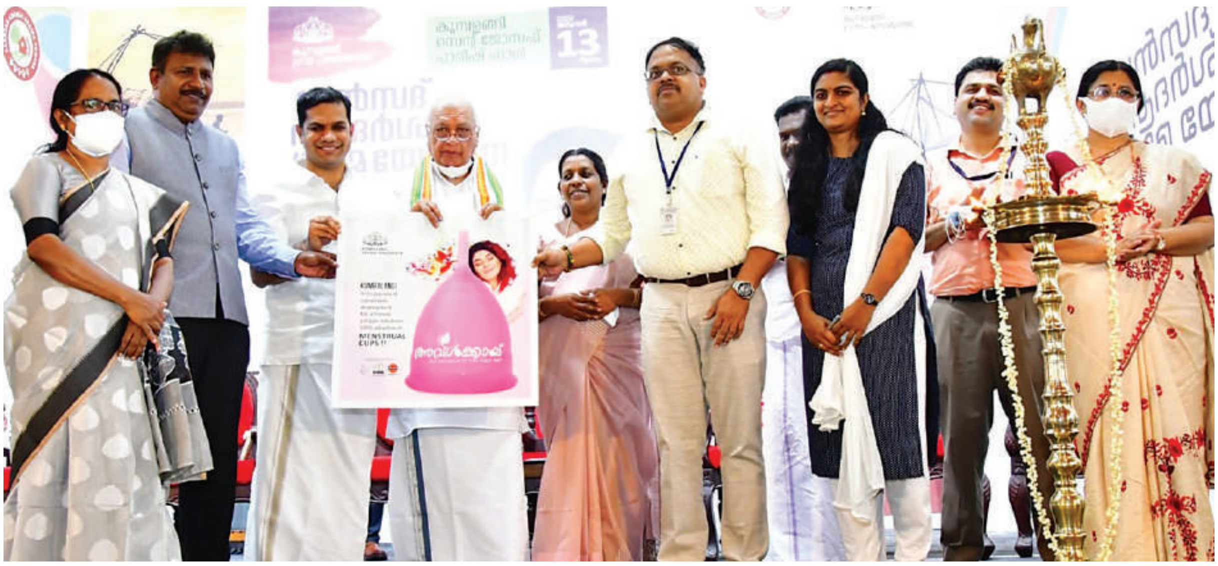

देश का पहला आदर्श पर्यटन गाँव – कुंबलंगी ग्राम पंचायत, भारत की प्रथम सैनिटरी नैपकिन मुक्त पंचायत बन गयी। यहाँ की महिलाएं सैनिटरी नैपकिन के बजाय मासिक धर्म कप का उपयोग करती हैं। वार्डवार जागरूकता प्रदान करने के फलस्वरूप यह बदलाव मुमकिन हो पाया है। इसकी घोषणा 13 जनवरी 2022 को केरल के सम्माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मुहम्मद खान द्वारा की गयी।

प्रधानमंत्रीजी के 'संसद आदर्श ग्राम योजना' (सागी) में शामिल करके पर्यावरण अनुकूल परिवर्तन की ओर पंचायत आगे बढ रही है। एर्णाकुलम के सांसद श्री हैबी ईडन इस योजना का नेतृत्व कर रहा है। पंचायच में मासिक धर्म कप के वितरण एवं उपयोग से संबंधित 'उस के लिए' (अवल्क्काई) नामक एक योजना आयोजित की जा रही है। इसके बारे में श्री हैबी ईडन ने कहा कि अन्य जगहों में कपों के बारे में कम जागरूकता, उच्च कीमत और कपों की अपर्याप्त उपलब्धता के कारण कप की स्वीकार्यता में कमी हो रही है। इस योजना को अधिक पंचायतों में विस्तारित किया जाएगा।''

कप के उत्पादन और वितरण के लिए एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (एचएलएल) ने थिंकल नाम से एक योजना तैयार की। इसका आर्थिक प्रायोजक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन है। पूरे देश में यह कप मुफ्त रूप से वितरण कर रहे हैं।

मुफ्त में उपलब्ध है:

- एचएलएल द्वारा कुबलंगी में 5700 कप मुफ्त में दिये गये।
- अन्य कंपनियों द्वारा कप को रू. 250-500 की लागत चार्ज किया जाता है।
- वर्ष में सैनिटरी नैपकिन के लिए रु. 1500 खर्च किया जाता है।

पांच वर्ष तक

- पाँच वर्ष : एक कप के उपयोग की अवधि
- 6-12 घंटे तक : मासिक धर्म सफाई
- विनिर्माण सामग्री : मेडिकल ग्रेड सिलिका
- कीटाणुशोधन: मासिक धर्म के अंत में उबले पानी से
- आसान: कप को आसानी से शरीर में इंसर्ट किया जा सकता है। मासिक धर्म का खून बिल्कुल बाहर नहीं निकलेगा। किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। नैपकिन से सुविधाजनक एवं आरामदायक ।

सैनिटरी नैपकिन पर्यावरण के लिए खराब

उपयोग के बाद सैनिटरी नैपकिन का निपटान कार्य सबसे बडा सिरदर्द है, जलना या जैव कचरे के साथ छोड देता है।

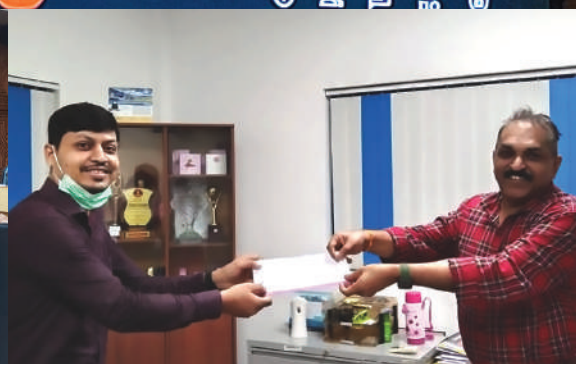

विश्व हिंदी दिवस और भारतीय भाषा कवि सम्मेलन

विश्व हिंदी दिवस के तत्वावधान में अखिल भारतीय आधार पर 10 जनवरी 2022 को ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित भारतीय भाषा कवि सम्मेलन में एचएलएल के विभिन्न यूनिटों एवं समनुषंगियों के कर्मचारियों ने भाग लिया। इससे हमारा उद्देश्य है कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वरचित कवितायें प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान करके उनके मन में हिंदी के प्रति रुचि पैदा करना। इस कार्यक्रम का उद्घाटन एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस द्वारा किया गया। उन्होंने एक कविता प्रस्तुत करते हुए भाषा के प्रचार - प्रसार एवं विकास के लिए कवि सम्मेलन जैसे कार्यक्रम की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। साथ ही एचएलएल के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) श्री ई.ए.सुब्रमण्यन और निदेशक (वित्त), डॉ. गीता शर्मा ने भी कविताएँ प्रस्तुत कीं। इस कार्यक्रम में 26 अधिकारी/ कर्मचारियों द्वारा अपनी कवितायें प्रस्तुत की गयीं।

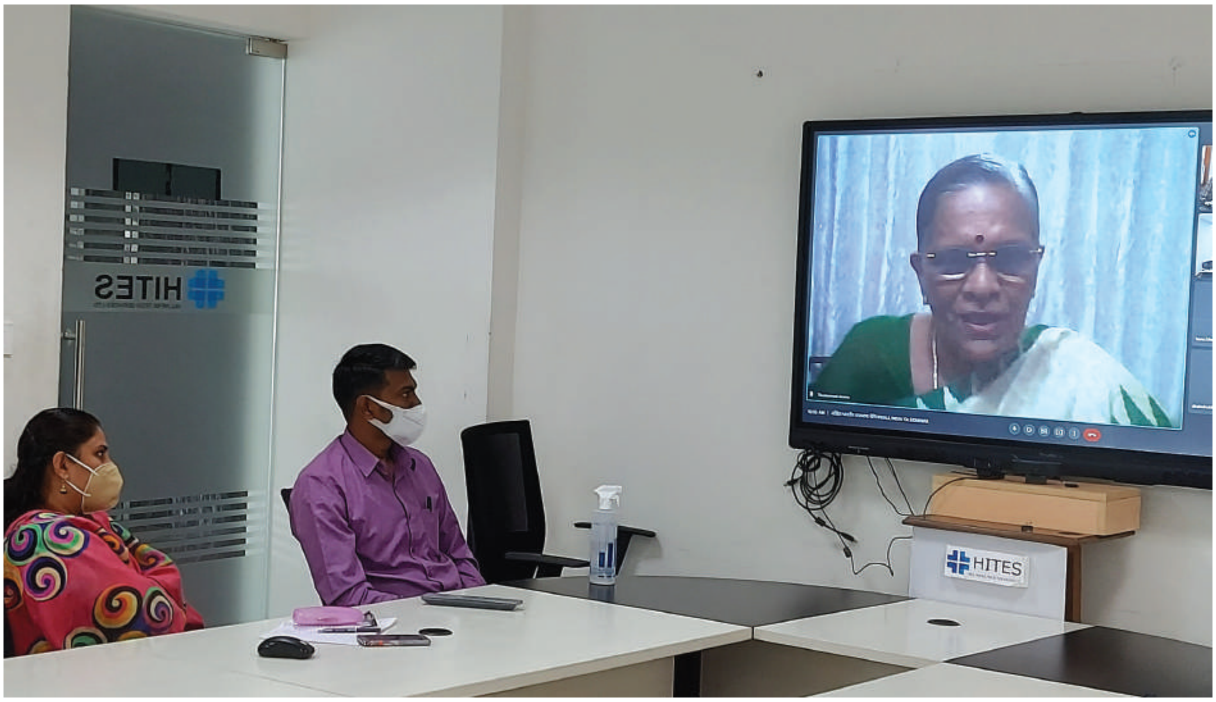

अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी

एचएलएल के पूरे भारत की विभिन्न यूनिटों एवं समनुषंगियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 15.02.2022 को ऑनलाइन के ज़रिए 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' विषय पर पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसका उद्घाटन डॉ.एस.तंकमणियम्मा, हिंदी विभागाध्यक्ष (सेवानिवृत्त), यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम ने किया। साथ ही विधिनिर्णायक का काम भी उन्होंने संभाला। इस संगोष्ठी में एचएलएल की विभिन्न यूनिटों/समनुषंगी कंपनियों से 35 कर्मचारियों ने भाग लिये और उनमें 27 कर्मचारियों ने उक्त विषय पर पेपर प्रस्तुत किये। इस अवसर पर डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) एचएलएल ने भाषण दिया। श्री ए.एम.मुल्ला, एसजी 5, एचएलएल कनगला फैक्टरी, डॉ.संतोष कुमार शुक्ला, वैज्ञानिक, सीआरडीसी, सुश्री अर्चना मेनोन, सहायक संयंत्र इंजीनियर, हाइट्स और श्रीमती सुमन प्रभा, एमजी 6, हाइट्स नोएडा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चौथा स्थान प्राप्त हुए। उनको क्रमशः रु.5000/-, रु.4000/-, रु.3000/-, रु.2000/- का नकद पुरस्कार और शेष सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार (रु.500/-) दिये गये।

राजभाषा समिति के सदस्यों के लिए हिंदी प्रतियोगिता

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों के लिए 21.12.2021 को राजभाषा नीति और नेमी टिप्पणियों पर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। समिति के अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों ने इस प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लिये। सबको रु.1000/- का गिफ्ट वाउचर पुरस्कार के रूप में दिये गये।

कार्यपालकों के लिए हिंदी प्रतियोगिता

कंपनी के सभी यूनिटों के उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष स्तर तक के कार्यपालकों के लिए 07.02.2022 को ऑनलाइन के ज़रिए हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। एचएलएल के विविध यूनिटों से 27 कार्यपालकों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किये गये।

पारंगत प्रशिक्षण

हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर्मचारियों को अपना शासकीय कार्य विशेष रूप से टिप्पण एवं आलेखन स्वयं हिंदी में भी करने के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रारंभित पारंगत प्रशिक्षण के वर्तमान सत्र में कंपनी के तीन कर्मचारियों को नामांकित किया गया। पिछले सत्र की परीक्षा में चार उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए। उनको भारत सरकार के आदेश के अनुसार पुरस्कार दिये गये।

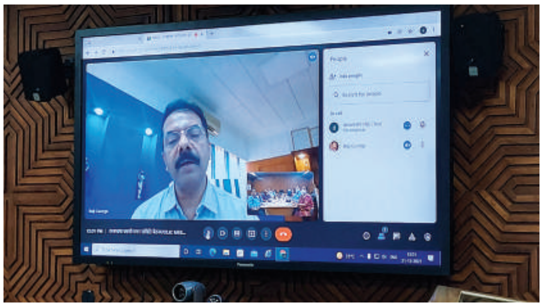

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किये गये वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार हर तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की जानी है। इसका सख्त अनुपालन करने के लिए कंपनी में प्रत्येक तिमाही के अंतिम हफ्ते में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक बिना चूके आयोजित की जाती है। कंपनी के निदेशक, सभी नियंत्रण अधिकारी और यूनिटों के प्रधान इस समिति के सदस्य रहे हैं और वे इस बैठक में भाग लेते हैं। मार्च महीने में कंपनी की 128वीं बैठक आयोजित की गयी। अध्यक्ष के संदेश से बैठक की शुरुआत होती है। आगे पिछले बैठक में लिये गये निर्णयों की पुष्टि तथा अगली तिमाही के लिए हिंदी कार्यकलापों पर चर्चायें होती हैं। साथ ही समिति के अध्यक्ष द्वारा कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति के लिए आवश्यक मार्गनिर्देश भी दिये जाते हैं। जून महीने की बैठक में वार्षिक कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा करने में हम अतीव प्रमुखता देते हैं और इसके आधार पर सभी यूनिट प्रधानों एवं विभागीय प्रमुखों को जाँच बिंदु जारी करके हिंदी के कार्यान्वयन पर उनकी भूमिका के प्रति अवगत करते हैं। साथ ही राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यालय कोच्चि के अधिकारी को भी आमंत्रित करता है।

अखिल भारतीय राजभाषा तकनीकी सेमिनार

कंपनी के विविध यूनिटों एवं समनुषंगी कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए अद्यतन करने की ओर 16.03.2022 को ऑनलाइन के ज़रिए अखिल भारतीय राजभाषा तकनीकी सेमिनार आयोजित किया गया। श्री के.अनिलकुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई ने इस सत्र की शुरूआत में राजभाषा नीति पर व्याख्यान दिया और बाद में कंप्यूटर एवं मोबाइल के ज़रिए फोटो अनुवाद, गूगिल एवं माइक्रो सॉफ्टवेयर के माध्यम से अनुवाद, एक्सल में हिंदी में कार्य करने जैसे आधुनिक तकनॉलजी के बारे में क्लास लिया। इस तकनीकी सेमिनार में एचएलएल के विभिन्न यूनिटों एवं समनुषंगियों से 55 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस में डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) एचएलएल ने भाषण दिया।

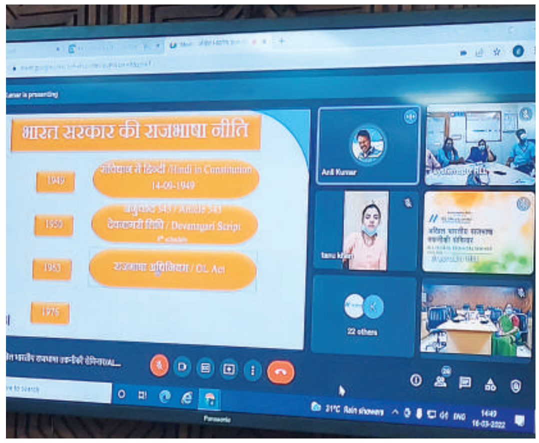

राजभाषा पत्रिका ‘समन्वया’ का प्रकाशन

एचएलएल निगमित मुख्यालय के सीएमडी चैंपर में एचएलएल की गृह राजभाषा पत्रिका समन्वया के 32 वें अंक का विमोचन कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने किया। इस अवसर पर श्री ई.ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), डॉ.रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), डॉ. एस.एम.उण्णिकृष्णन, उपाध्यक्ष (आईबीडी, एसपी & सी सी), डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा), और डॉ.सुरेष कुमार. आर, प्रबंधक (राजभाषा) उपस्थिति थे। इस पत्रिका का साल में दो संस्करण हैं। इसमें हम कंपनी से जुडे परियोजनाओं एवं राजभाषा संबंधी गतिविधियों का संपूर्ण विवरण समाहित करने की पूरी कोशिश करते हैं।

राजभाषा चल वैजयंती

एचएलएल की यूनिटों - पेरूरकड़ा फैक्टरी, आक्कुलम फैक्टरी, काक्कनाड फैक्टरी और कनगला फैक्टरी - के बीच में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर आने वाली यूनिट के लिए कंपनी द्वारा संस्थापित राजभाषा चल वैजयंती के लिए लगातार तीसरी बार एचएलएल - पेरूरकड़ा फैक्टरी को विनिर्णीत किया गया। एचएलएल निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में आयोजित समारोह के अवसर पर एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस और कैनरा बैंक के महा प्रबंधक एवं अध्यक्ष बैंक टोलिक श्री एस.प्रेमकुमार से पेरूरकड़ा फैक्टरी के यूनिट प्रधान श्री जी.कृष्णकुमार और श्री प्रवीण.पी, महा प्रबंधक (मानव संसाधन) ने यह पुरस्कार हासिल किया।

एचएलएल - कनगला फैक्टरी में राजभाषा कार्यशाला

प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के सिलसिले में एचएलएल - कनगला फैक्टरी, बलगाम में कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 31.12.2021 को राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री अरुण कांबले, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने क्लास का संचालन किया। उन्होंने राजभाषा नीति, टिप्पण एवं आलेखन आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दिया। इस कार्यशाला से 15 कर्मचारियों ने लाभ उठाया।

अग्रणी अनुभाग पुरस्कार

एचएलएल के निगमित मुख्यालय के अनुभागों के बीच में सर्वोत्कृष्ट रूप से राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन करने वाले अमुभाग को विनिर्णीत करने की ओर कंपनी में संस्थापित अग्रणी अनुभाग पुरस्कार के लिए सुरक्षा विभाग को चुन लिया गया। यह पुरस्कार एचएलएल के उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), डॉ.रॉय सेबास्टियन से मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री तंपी एस.दुर्गादत्त आई पी एस और सुरक्षा पर्यवेक्षक श्री षाजी ने हासिल किया। इसके अलावा टिप्पण एवं आलेखन प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत प्रथम स्थान पर आए सुरक्षा विभाग को रु.5000/- का नकद पुरस्कार भी दिया गया। इस प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए हकदार बने अन्य कर्मचारियों को भी इस अवसर पर नकद पुरस्कार वितरित किए गए।

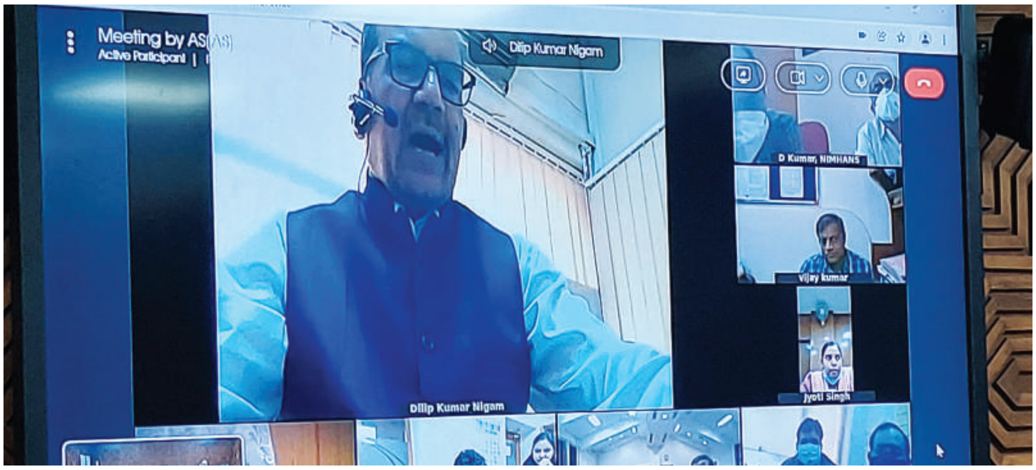

स्वास्थ्य मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक में भागीदारी

नई दिल्ली में 08.12.2021 & 29.03.2022 को ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में कंपनी के सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) और प्रबंधक (राजभाषा) ने भाग लिया। श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव ने इस बैठक की अध्यक्षता की। श्री दिलीप कुमार निगम, उप निदेशक (राजभाषा) ने कार्यसूची मदों को प्रस्तुत किया। उन्होंने राजभाषा नीति के अनुसार निर्धारित लक्ष्य का अनुपालन न कर रहे कार्यालयों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए कहा कि धारा 3 (3), नियम (5), पत्राचार, नोटिंग आदि मदों पर हर कार्यालय को अधिक ध्यान देना चाहिए। आगे उन्होंने जोडा कि तिमाही प्रगति रिपोर्ट में पत्राचार का कॉलम भरते समय यदि किसी क्षेत्र के साथ पत्राचार नहीं है तो उसके आगे यह स्पष्ट रूप से लिखना ज़रूरी है। साथ ही पत्राचार की प्रतिशतता को बढाने के लिए किसी तरीके को अपनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक कार्यालय की राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की प्रगति वहाँ के कार्यालय अध्यक्ष के समर्थन पर ही निर्भर है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की हिंदी कार्यशाला

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 30 मार्च, 2022 को ऑनलाइन के ज़रिए पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यशाला के दो सत्र थे, प्रथम सत्र संघ की राजभाषा नीति के प्रावधानों से संबंधित था। दोनों सत्रों के संचालन श्री दिलीप कुमार निगम, उप निदेशक (राजभाषा) द्वारा किया गया। इस सत्र में राजभाषा नीति के विभिन्न पहलुओं, राजभाषा समिति का गठन आदि पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई। अपराह्न सत्र की शुरुआत श्री परमानंद आर्या, निदेशक (राजभाषा) के भाषण से शुरू हुई। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में जाँच बिंदु पर चर्चा करने की आवश्यकता पर ज़ोर दी। यह सत्र संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली भरने से संबंधित था। वास्तव में प्रश्नावली भरना अधिकांश हिंदी कर्मचारियों के लिए मुश्किल की बात ही है। इस सत्र से हमें अपनी शंकाएँ दूर करने का अवसर मिला। इस कार्यशाला में एचएलएल की तरफ से डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) ने भाग लिया। यह पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला एकदम लाभदायक रहा।

— एचएलएल शब्दावली —

Join	कार्यभार ग्रहण करना
Joining date	कार्यग्रहण तारीख
Joining period	कार्यग्रहण अवधि
Joint	संयुक्त
Joint account	संयुक्त खाता
Joint application	संयुक्त आवेदन
Joint General Manager	संयुक्त महा प्रबंधक
Joint Secretary	संयुक्त सचिव
Joint venture	संयुक्त जोखिम
Journal	दैनिक
Judgment	निर्णय
Judicial	न्यायिक, अदालती
Judicial enquiry	न्यायिक जाँच
Judicial proceedings	न्यायिक कार्यवाही
Judiciary	न्यायपालिका
Junior	कनिष्ठ
Junior project engineer	कनिष्ठ परियोजना इंजीनियर
Jurisdiction	अधिकार क्षेत्र
Keep in mind	ध्यान में रखना
Key Area	प्रमुख क्षेत्र
Labour	श्रम
Labour Commissioner	श्रम आयुक्त
Labour union	मज़दूर संघ
Land	भूमि
Landholder	भूमिधारी
Last Date	अंतिम तारीख
Late	विलंब
Late coming	देर से आना
Latest	नवीकरण

Law	विधि, कानून
Law and order	कानून और व्यवस्था
Lease	पट्टा
Lease rent	पट्टा किराया
Leave	अवकाश, छुट्टी
Leave encashment	छुट्टी भुनाना
Leave of absence	अनुपस्थिति की अनुमति
Leave rules	छुट्टी नियम
Leave vacancy	अवकाश रिक्ति
Leave without pay	अवेतन छुट्टी
Lecture Series	लेकचर सीरीस
Ledger	खाता
Legal charges	विधिक चार्ज
Legal documents	कानूनी दस्तावेज़
Legal Practice	विधि - व्यवसाय, वकालत
Legal Proceedings	कानूनी कार्यवाही
Legislature	विधान-मंडल
Lending	उधार देना
Less	न्यून
Liabilities	देयता
Liaison officer	संपर्क अधिकारी
Life Insurance Corporation	जीवन बीमा निगम
Limited purpose	सीमित प्रयोजन
Liquidated damages	निर्णीत हर्जाना
Listed	सूचीबद्ध
Literary	साहित्यिक
Loading expenses	आवास खर्च
Loan	ऋण
Local	स्थानीय

— नेमी टिप्पणियाँ —

A brief note is placed below	एक संक्षिप्त नोट नीचे रखा है।
Accepted conditionally	सशर्त स्वीकृत।
Administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए।
After consultation with	से परामर्श करने के बाद।
Application may be rejected	आवेदन अस्वीकार कर दिया जाए।
Ascertain the position	स्थिति का पता लगाया जाए।
As modified	यथा आशोधित/संशोधित
As proposed	यथा प्रस्तावित
Beyond the said period	उक्त अवधि के बाद।
Best of my knowledge	मेरी अधिकतम जानकारी के अनुसार
Budget estimate is put up	बजट अनुमान प्रस्तुत है।
Casual Leave applied for may be granted	माँगी गई आकस्मिक छुट्टी दे दी जाए।
Copy may be forwarded	प्रतिलिपि भेज दी जाए।
Consultation with	से परामर्श करके
Competent authority's sanction is necessary	सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी आवश्यक है।
Delegation of financial powers	वित्तीय अधिकार सौंपना/वित्तीय
	शक्तियों का प्रत्यायोजन
Draft is concurred in	मसौदे से सहमति है।
Discrepancy may be corrected	विसंगति को ठीक किया जाए।
Explained in your letter	आपके पत्र में स्पष्ट किया गया।

Expedite in your letter	आपके पत्र में स्पष्ट किया गया।
Formal approval is necessary	औपचारिक अनुमोदन आवश्यक है।
Files may now be returned to the concerned department.	अब फाइलें संबंधित विभाग को लौटा दी जाए।
For approval please	अनुमोदन के लिए।
Further action not necessary	आगे की कार्रवाई आवश्यक नहीं।
Global Tender	विश्वव्यापी टेंडर
Guidance	मार्गदर्शन
Hold over for time being	कुछ समय के लिए स्थगित करना
Half pay leave is granted	अर्धवेतन छुट्टी मंजूर की गई।
Information is being collected	सूचना एकत्र की जा रही है
Instructions are solicited	कृपया अनुदेश/निर्देश दें।
Judicial enquiry	अदालती जाँच
Justification for the proposal	प्रस्ताव का औचित्य
Keep pending	लंबित रखा जाए
Keep in the files	फाइल के अंदर रखें/फाइल में रखें।
Kindly review the case	कृपया मामले पर पुनर्विचार करें।
Leave not due is granted	अदेय छुट्टी स्वीकृत की जाती है।
Leave on medical ground	चिकित्सा/बीमारी की छुट्टी
Letter of acceptance	स्वीकृति पत्र
Letter of acknowledgement	पावती पत्र
May be treated as urgent	इसे अति आवश्यक समझा जाए।
May be filed	फाइल करें।

प्रथम स्थान

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ए.एम.मुल्ला
सीनियर ग्रेड -5
विद्युत विभाग,
एचएलएल - कनगला फैक्टरी

"सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ता हमारा" आज हम सब देशवासी आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। आज़ादी से पहले हमारे देश पर अंग्रेज़ों की हुकूमत थी। अंग्रेज़ों के आने से पहले हमारे देश को सोने की चिडिया कहा जाता था। हमारा देश सारे विश्व में सबसे आगे और बेहतर अमीर था। जब भारत में अंग्रेज़ों का आगमन हुआ तो उन्होंने हमारे देश का सारा खजाना लूटना शुरू कर दिया।

जैसा कि सब जानते हैं भारत के जैसा आज़ादी आंदोलन शायद ही विश्व में कहीं हुआ हो। क्योंकि इस आंदोलन में कई सारे हुतात्माओं ने हँसते-हँसते अपनी जान इस देश के लिए कुर्बान कर दी थी। लगभग 200 वर्षों के संघर्ष के बाद 15 अगस्त 1947 को हमारा देश आज़ाद हुआ। आज हम आज़ाद भारत के आज़ाद नागरिक हैं। 15 अगस्त, भारत के इतिहास में एक सुनहरा दिवस है।

जब हमारा देश आज़ाद हुआ तब भारत की आर्थिक स्थिति दुनिया के सारे देशों से पीछे थी। उस वक्त हमारे देशवासियों के पास ना रहने के लिए मकान था, ना खाने के लिए खाना था, न पहनने के लिए कपड़ा था, ना आने - जाने के लिए पक्की सडकें थीं, ना कोई उद्योग थे, ना शिक्षा व्यवस्था अथवा स्वास्थ्य सेवा केंद्र उपलब्ध थे। यहाँ तक कि एक माचिस की डिबिया भी यूरोप के देशों से भारत में आती थी। हमारी गिनती विश्व के सबसे गरीब देशों में की जाने लगी। फिर उस वक्त हमारे प्रधानमंत्री श्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और उनके साथियों ने मिलकर देश की उन्नति के लिए ठोस कदम उठाए।

उसके बाद 26 जनवरी, 1950 में हमारे देश को अपना स्वयं का संविधान मिला और हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा गणतंत्र राज्य बन गया। जिसकी वजह से चंद वर्षों में देश की काया पलटने लगी। आज हम देख रहे हैं कि पिछले 75 वर्षों में हमारे देश ने बहुत उन्नति की है। आज मेरे देश में पिन से लेकर हवाई जहाज़ का निर्माण हो रहा है, मिसाईल से लेकर अणुबम तक बन रहा है। इन 75 वर्षों में हमने आई आई टी, एम्स, आई आई एम, इस्त्रो, अनेक विश्वविद्यालय, होमी भाभा अणु ऊर्जा केंद्र और 200 से अधिक पब्लिक सेक्टर यूनिट बनवाएँ जिसमें एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड भी शामिल है। इन सारी उपलब्धियों की वजह से देश में अर्थव्यवस्था और प्रगति की गंगा बहने लगी। आज हमारे वैज्ञानिक, इंजीनियर्स और डॉक्टर्स सिर्फ भारत देश में ही नहीं बल्कि विश्व के प्रगंत देशों में उच्च पद पर काम कर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

किसी ज़माने में विदेशों में हमें साँपों का खेल करनेवाला देश समझते थे। लेकिन आज हमारे बच्चे विश्व की बड़ी - बडी कंपनियों के सीईओ के रूप में काम कर रहे हैं। जैसे गूगल के सीईओ - श्री सुंदर पिचाई, माइक्रो सॉफ्ट के श्री सत्या नडेला, पेप्सिको की प्रमुख - श्रीतमी इंद्रा नुई और श्री पराग अग्रवाल – ट्विटर इत्यादि।

आज हम आई टी सेक्टर में विश्व में सबसे प्रथम स्थान पर हैं जिसका श्रेय स्वर्गीय राजीव गांधीजी को जाता है।

हरित क्रांति का श्रेय पंच वार्षिक योजनाओं को जाता है जिसके माध्यम से कई सारे बाँध इस देश में बन गए जिसकी वजह से हमारा देश दुनिया में कृषि उत्पादन में सबसे आगे हैं।

आज हमारे देश ने जो उन्नति की है यह केवल पाँच या सात वर्षों में नहीं हुई है अथवा किसी एक प्रधानमंत्री की वजह से नहीं हुई है। आज हमने जो कुछ भी पाया है इसमें हमारे देश के सभी प्रधानमंत्री और उनके साथियों और देशवासियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

जिन लोगों ने आज़ादी के बाद देश को इस उन्नति के रास्ते पर लाने का काम किया है, अपना योगदान दिया है उन्हें आज हम भूल चुके हैं। गाँधीजी और उनके साथियों ने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाया था। आज हम ईंट का जवाब पत्थर से देने की बात करते हैं। आज हमारे सामने मेरा राज्य पहले उसके बाद देश, मेरी भाषा पहले उसके बाद देश, मेरे राज्य की सीमा पहले उसके बाद देश की सीमा, मेरा धर्म पहले उसके बाद देश यह भावना बढ़ी है। आज ज़रूरत इस बात की है कि 'सर्व प्रथम देश बाद में मैं' यह भाव आना चाहिए।

देश इतना तरक्की करने के बाद भी हमारे पास सुख और शांति नहीं है। आज भी हम भाषा, जाति, धर्म, मंदिर और मस्जिद के नाम पर झगड़ा कर रहे हैं। यह देश उसी वक्त महान देश कहलाएगा जब इस देश में हर कोई नागरिक संविधान के बताए हुए रास्ते पर चलेगा तथा संविधान का आदर-सम्मान करेगा। आज़ादी का अमृत महोत्सव तभी सफल कहलाएगा जब हर देशवासी सच्चे मन से देश के प्रति अपना सद्भाव रखे एवं भाईचारा को बढ़ावा दें। आज हमें अपने देश को पुनः एक बार सोने की चिड़िया बनाना है और सारे विश्व में भारत का नाम रोशन करना है। पूरी दुनिया को प्यार और मुहब्बत का पाठ पढ़ाना है। यह उसी वक्त संभव है जब हम आपसी भेदभाव भूलकर सिर्फ देश के प्रति अपनी भावनाओं को बढ़ावा देंगे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

द्वितीय स्थान

डॉ.संतोष कुमार शुक्ला

वरिष्ठ वैज्ञानिक

एचएएल - सी आर डी सी

■ आज़ादी का अमृत महोत्सव मात्र औपचारिक आयोजन नहीं है, इसे समझने के लिए आज़ादी के अमृत महोत्सव मनाने के लिए गठित राष्ट्रीय समिति की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन पर ध्यान देना चाहिए ।

■ उस बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज़ादी के 75 साल का त्योहार एक ऐसा उत्सव होगा जिसमें स्वतंत्रता संग्राम की भावना, शहीदों को श्रद्धांजलि और भारत निर्माण की उनकी प्रतिज्ञा का अनुभव किया जाएगा ।

■ राष्ट्रीय समिति को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस त्योहार में सनातन भारत की महिमा और आधुनिक भारत की आभा दिखनी चाहिए ।

■ इस महोत्सव में ऋषियों की आध्यात्मिकता की रोशनी और हमारे वैज्ञानिकों की प्रतिभा और ताकत भी प्रतिबिंबित होनी चाहिए ।

■ उन्होंने रेखांकित किया कि इस आयोजन से 75 वर्षों में हमारी उपलब्धियों को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगा और अगले 75 वर्षों के लिए हमें संकल्प की एक रूपरेखा भी प्रदान करेगा ।

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत महोत्सव के पांच स्तंभों पर विशेष ज़ोर दिया है। ये पांच स्तंभ हैं -

- स्वतंत्रता संग्राम
- 75 पर विचार
- 75 पर उपलब्धियाँ
- 75 पर कार्य
- 75 पर संकल्प

■ आज़ादी के 75 साल के उत्सव प्रारंभ हो चुके हैं हम सब इस के स्वागत में खड़े हैं ।

■ यह वर्ष जितना ऐतिहासिक और गौरवशाली है, देश ने इसे उतनी ही भव्यता और उत्साह के साथ मनाने की योजना बनाई है ।

■ यह वह अवसर है, जब आज़ादी के असंख्य संघर्ष बलिदानों और तपस्याओं की ऊर्जा पूरे भारत में एक साथ पुनरजागृत हो रही है ।

■ यह अवसर है, देश के स्वाधीनता संग्राम में खुद को आहूत कर देने वाली महान विभूतियों के चरणों में आदरपूर्वक नमन करने का ।

■ यह अवसर है उन वीर जवानों को प्रणाम करने का, जिन्होंने आज़ादी के बाद भी राष्ट्र की रक्षा की परंपरा को जीवित रखा और देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिए ।

■ यह अवसर है, उन पुण्य आत्माओं के बंदन करने का जिन्होंने आज़ाद भारत के पुनर्निर्माण में प्रगति की एक-एक ईंट रखी और 75 वर्ष में देश को यहाँ तक लाएं ।

■ जब हम गुलामी के उस दौर की कल्पना करते हैं, जहां करोड़ों लोगों ने सदियों तक आज़ादी की एक सुबह का इंतज़ार किया तब एहसास होता है, कि आज़ादी के 75 साल का अवसर कितना ऐतिहासिक होता है ।

■ इस पर्व में शाश्वत भारत की परंपरा है स्वाधीनता संग्राम की परछाई है और आज़ाद भारत को गौरवान्वित करने वाली प्रगति है ।

■ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दांडी यात्रा की वर्षगांठ पर 12 मार्च 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मस्थल गुजरात से आज़ादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत की है ।

■ यह हम सभी का सौभाग्य है कि आज़ाद भारत के इस ऐतिहासिक काल खंड के हम साक्षी बन रहे हैं ।

■ हमारे यहाँ मान्यता है कि, जब कभी ऐसा अवसर आता है तब सारे तीर्थों का एक साथ संगम हो जाता है ।

■ आज़ादी का अमृत महोत्सव एक राष्ट्र के रूप में भारत के लिए भी ऐसा ही पवित्र अवसर है ।

■ आज़ादी का अमृत महोत्सव स्वतंत्रता दिवस 2022 से 75 सप्ताह पहले शुरू हो चुका है, जो आयोजन स्वतंत्रता दिवस 2023 तक जारी रहेगा ।

■ यह आयोजन 25 दिवसीय उत्सव के साथ शुरू हुए हैं, जिसका शुभारंभ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 12 मार्च को दांडी मार्च की वर्षगांठ पर गुजरात में किया ।

■ पूरे देश में 37 प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिनमें से 13 मार्च को छह स्थानों पर वर्चुअल माध्यम से एक साथ उद्घाटन हुआ, जिनमें से सांबा जम्मू कश्मीर, बेंगलुरू कर्नाटका, पुणे महाराष्ट्र, भुवनेश्वर, ओडिशा,विष्णुपुर मणिपुर, पटना, बिहार ।

■ उसी दिन नई दिल्ली में राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में भी एक प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ ।

■ इस तरह देशभर के सभी राज्य आज़ादी के 75 वर्ष के इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर रुचि ले रहे हैं ।

■ किसी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है, जब वह अपने अतीत के अनुभव और विरासत के गर्व से जुडा रहता है ।

■ भारत के पास तो गर्व करने के लिए समृद्ध इतिहास और चेतनामय सांस्कृतिक विरासत है ।

■ आज़ादी के 75 साल का यह अवसर एक अमृत की तरह वर्तमान पीढ़ी को प्राप्त होगा । एक ऐसा अमृत, जो हमें प्रतिपल देश के लिए जीने और कुछ करने के लिए प्रेरित करेगा । वेदों में कहा गया है, 'मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्' अर्थात हम दुख, कष्ट, क्लेश और विनाश से निकलकर अमृत की तरफ बढ़ें । आज़ादी के इस अमृत महोत्सव का यही संकल्प भी है ।

■ आज़ादी का अमृत महोत्सव यानी आज़ादी की ऊर्जा का अमृत, स्वाधीनता सेनानियों की प्रेरणाओं का अमृत, नए विचारों का अमृत, नए संकल्पों का अमृत, आत्मनिर्भरता का अमृत ।

■ इसीलिए यह महोत्सव राष्ट्र के जागरण और वैश्विक शांति एवं विकास का महोत्सव है ।

■ आज़ादी की लडाई में अलग-अलग घटनाओं की अपनी प्रेरणा हैं, जिन्हें आज का भारत आत्मसात कर आगे बढ़ सकता है ।

■ सन् 1857 का स्वतंत्रता संग्राम, महात्मा गांधी के देश को सत्याग्रह की ताकत याद दिलाना, लोकमान्य तिलक के पूर्ण स्वराज का आह्वान, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आज़ाद हिंद फौज के दिल्ली मार्च, 1942 का अविस्मरणीय आंदोलन, अंग्रेज़ों से भारत छोडो का उद्घोषण, ऐसे कितने ही अनगिनत पड़ाव है, जिनसे हम प्रेरणा लेते हैं ।

■ ऐसे कितने ही सेनानी हैं, जिनके प्रति देश हर रोज़ अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है ।

■ 1857 की क्रांति के मंगल पांडे, तात्या

टोपे जैसे वीर हो, अंग्रेज़ों की फौज के सामने निर्भीक गर्जना करने वाली रानी लक्ष्मीबाई हो, कित्तूर की रानी चेन्नम्मा हो, चंद्र शेखर आज़ाद, रामप्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू, अशफाक उल्ला खान, गुरू राम सिंह जैसे वीर हो या फिर सरदार पटेल, बाबसाहेब आंबडेकर, मौलाना आज़ाद, खान अब्दुल गफ्फार खान, वीर सावरकर जैसे अनगिनत जननायक । ये सभी महान व्यक्तित्व आज़ादी के आंदोलन के पथ प्रदर्शक हैं।

■ आज़ादी के आंदोलन की इस ज्योति को निरंतर जागृत करने का काम पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण हर दिशा में हर क्षेत्र में हमारे संतों ने, महंतों ने, आचार्यों ने निरंतर किया है ।

■ 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' यह तंत्र आज भी हमें प्रेरणा देता है ।

■ चंपारण सत्याग्रह, बारडोली सत्याग्रह, त्रावणकोर आंदोलन, रामोशी संघर्ष, कित्तूर आंदोलन, भील आंदोलन, बुंदेल संघर्ष, अंग्रेज़ों से भारत छोडो का आंदोलन, ऐसे कितने ही आंदोलन हैं, जो देश के हर भूभाग को हर कालखंड में आज़ादी की ज्योति प्रज्ज्वलित रखा ।

■ आज़ादी के आंदोलन में भक्ति आंदोलन के माध्यम से हमारे संतों ने पूर्व में चैतन्य महाप्रभु, रामकृष्ण परमहंस, पश्चिम में मीराबाई, एकनाथ, तुकाराम, उत्तर में रामानंद, कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास, सूरदास, गुरु नानक देव, दक्षिण में माधवाचार्य, निंबार्काचार्य, वल्लभाचार्य, रामानुजाचार्य आदि महानुभावों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को जागृत करने का काम किया ।

■ तमिलनाडु के 32 वर्षीय नौजवान कोडीकाथ कुमारन को अंग्रेज़ों ने जब सिर में गोली मार दी तो उन्होंने मरते हुए भी देश का झंड़ा ज़मीन पर गिरने नहीं दिया, तमिलनाडु में उनके नाम पर कोडीकाथ शब्द जुड़ गया, जिसका अर्थ है झंडे को बचाने वाला ।

■ तमिलनाडु की ही वेलु नचियार वह पहली महारानी थी जो अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ी ।

■ जब महात्मा गांधी के नेतृत्व में पूरे देश में जगह-जगह अंग्रेज़ों के खिलाफ आंदोलन हो रहे थे, तब अक्कम्मा चेरियान बापू से प्रेरित होकर अपना अच्छा खासा शिक्षण कैरियर छोड़ कर 1938 में जंगे आज़ादी में कूद पड़ी ।

■ 'त्रावनकोर की रानी झांसी' के नाम से प्रसिद्ध अक्कम्मा चेरियान, त्रावणकोर की एक जांबाज स्वतंत्रता सेनानी थी, लेकिन उनके बारे में केरल को छोड़कर अन्य राज्यों के अधिकांश लोगों को जानकारी नहीं है ।

■ महात्मा गांधी ने उनकी बहादूरी और जाबाज़ी को देखकर उन्हें त्रावणकोर की रानी झांसी के नाम से विभूषित कर दिया।

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज़ादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत करते हुए कहा था, 'उत्सवन बिना यस्मात स्थापनम निष्फलम भवेत' अर्थात् कोई भी प्रयास, कोई भी संकल्प, बिना उत्सव के सफल नहीं होता है ।

■ एक संकल्प जब उत्सव की शक्ल लेता है, तो उसमें करोड़ों लोगों की ऊर्जा जुट जाती है ।

■ इसी भावना के साथ हमें आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने तक, इस आज़ादी के अमृत महाउत्सव को मनाना है ।

पंजाब के जनरल मोहन सिंह ने 15 दिसंबर, 1941 को आज़ाद हिंदी फौज की स्थापना की और बाद में 21 अक्तूबर 1943 को उन्होंने इस फौज का नेतृत्व सुभाष चंद्र बोस को सौंप दिया। मातृभूमि की आज़ादी के लिए एक अलग सेना की बहुत ज़रूरत थी, जो अंग्रेज़ों की सैनिक ताकत का मुकाबला कर सके ।

भारत छोड़ो आन्दोलन, द्वितीय विश्व युद्ध के समय 8 अगस्त 1942 को आरंभ किया गया था । यह एक आन्दोलन था जिसका लक्ष्य भारत से ब्रिटिश साम्राज्य को समाप्त करना था । यह आन्दोलन महात्मा गांधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुंबई अधिवेशन में शुरू किया गया था ।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत के प्रथम उप प्रधान मंत्री तथा प्रथम गृहमंत्री वल्लभाई पटेल को समर्पित एक स्मारक है, जो भारतीय राज्य गुजरात में स्थित है । यह स्थान गुजरात के भरूच के निकट नर्मदा जिले में स्थित है । यह विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है । महात्मा गांधी के नेतृत्व में औपनिवेशिक भारत में अहिंसक सविनय अवज्ञा का एक कार्य था । चौबीस दिवसीय जुलूस 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक ब्रिटिश नमक एकाधिकार के खिलाफ कर प्रतिरोध और अहिंसक विरोध के प्रत्यक्ष कार्रवाई अभियान के रूप में चला ।

18 फरवरी, 1946 को रॉयल इंडियन नेवी के सिगनल्स प्रशिक्षण संस्थान आई एन एस तलवार के गैर कमीशंड अधिकारियों एवं सिपाहियों ने अपने खिलाफ हो रहे बुरे बर्ताव और खराब रखरखाव के मद्देनज़र बगावत कर दी । इस बगावत से आज़ादी के राजनीतिक आंदोलन के समानांतर एक अलग माहौल पैदा किया । इस माहौल ने अंग्रेज़ों को इतना खौफ़ज़दा कर दिया कि उन्होंने भारत को छोड़ने का फैसला जल्दी ले लिया । इस बगावत ने अंग्रेज़ों को यह एहसास करा दिया कि यदि और अधिक समय तक वे भारत में टिके रहे तो वापस ब्रिटेन भागने का रास्ता भी बंद हो जाएगा ।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1946 में मलाबार स्पेशल पुलिस के जवानों ने अंग्रेज़ों के द्वारा ढाए गए अत्याचार के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंक दिया और अपनी पगार बढ़ाने के लिए हड़ताल पर बैठे गए । अंग्रेज़ों ने इस विद्रोह को दबाने की कोशिश की लेकिन वे समझ गए कि अब उनकी घर वापसी का समय आ गया है ।

स्वतंत्रता आंदोलन में कल्लीशेरी का बहुत योगदान है ।

1930 में के केलप्पन के नेतृत्व में एक विशाल जुलूस निकल गया, जो कोषीकोड से मरयूर तक कल्लीशेरी और मोरझा के रास्ते में समाप्त हुआ और कल्लीशेरी में एक विशाल सभा का आयोजन किया गया । जिसमें स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े हुए अनेक नेता सम्मिलित हुए इसमें क्षेत्र की गरीबी और अंग्रेज़ों द्वारा ढाए जा रहे अत्याचार से कैसे छुटकारा पाया जाए इस पर चर्चा हुई और योजना बनाई गई ।

हिंदी बोले और लिखे जाने के आधार पर देश के राज्यों का विभाजन।

क्षेत्र 'क'	REGION 'A'
बिहार	BIHAR
झारखण्ड	JHARKHAND
हरियाणा	HARYANA
हिमाचल प्रदेश	HIMACHEL PRADESH
छत्तीसगढ़	CHATTISGARH
मध्य प्रदेश	MADHYA PRADESH
राजस्थान	RAJASTHAN
उत्तर प्रदेश	UTTAR PRADESH
उत्तरांचल	UTTARANCHAL
अंडमान और निकोबार द्वीप	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र	UNION TERRITORY OF DELHI

क्षेत्र 'ख'	REGION 'B'
गुजरात	GUJARAT
महाराष्ट्र	MAHARASHTRA
पंजाब	PUNJAB
चंडीगढ़	CHANDIGARH
&	&
संघ राज्य क्षेत्र	UNIONTERRITORIES OF
दामन ड्यू	DAMAN DUE
दादर & नगरहवेली	DADAR & NAGARHAVELI

क्षेत्र 'ग'	REGION 'C'
असम	ASSAM
आंध्रा प्रदेश	ANDRA PRADESH
उड़ीसा	ORISSA
कर्नाटका	KARNATAKA
केरल	KERALA
जम्मू & कश्मीर	JAMMU & KASHMIR
तमिल नाडु	TAMIL NADU
त्रिपुरा	TRIPURA
नागालैण्ड	NAGALAND
पश्चिम बंगाल	WEST BENGAL
मणिपुर	MANIPUR
मेघालय	MEGHALAYA
सिक्किम	SIKKIM
मिज़ोराम	MIZORAM
गोवा	GOA
अरुणाचल प्रदेश	ARUNACHAL PRADESH
&	&
संघ राज्य क्षेत्र	UNIONTERRITORIES OF
पुतुच्चेरी	PUDUCHERRY
लक्षद्वीप	LEKSHADWEEP

वे सपने जो भारत को सोने न दें

हर्षिता पाहवा
उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
एचएएल, कनगला फैक्टरी

भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ.ए.पी. जे अब्दुल कलाम ने एक बार कहा था कि 'सपना वह नहीं है जो आप सोते हुए देखते हैं; यह कुछ ऐसा है जो आपको सोने नहीं देता है।'

भारतीय अर्थव्यवस्था ऊपर की ओर देख रही है और भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी उचित पहचान दी जा रही है। हम आज़ादी के बाद एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। अब हमें एक प्रभावशाली विश्व शक्ति के रूप में देखा जा रहा है और ब्रांड इंडिया एक सफल बनने के रास्ते पर है। हालाँकि ऐसा बहुत कुछ हैं, जो कई क्षेत्रों में किया जाना चाहिए। अभी भी कई विरोधाभास हैं जिन्हें आंतरिक और बाह्य रूप से संबोधित करने की आवश्यकता है।

विरोधाभासों का देश

भारत एक ऐसा राष्ट्र रहा है जहाँ अच्छे और बुरे, अमीर और गरीब, निपुण और चाहने वाले, सह-अस्तित्व में हैं। यह अब रोमांटिक सिद्धांत नहीं है, हमारे राष्ट्रीय जीवन के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को तत्काल ठीक करने की आवश्यकता है। हड़ताली विरोधाभास अक्सर खड़खड़ाते हैं, और स्थापना को सोचने पर मजबूर कर देते हैं, लेकिन स्थायी परिवर्तन शायद ही आता है।

सपना नंबर 1

महिला सुरक्षा - अब हम अपने सबसे सक्षम शत्रुओं को नष्ट करने के लिए अग्नि V को आग लगा सकते हैं, लेकिन हमारी महिलाएँ सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षित यात्रा नहीं कर सकती हैं। हम मंगल ग्रह की सबसे सस्ती यात्रा की अवधारणा कर रहे हैं और इसे अंजाम दे रहे हैं, लेकिन हमारी लड़कियाँ माताओं के गर्भ से लेकर जन्म होने तक की यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने में विफल हैं। यह न केवल हिंदलैंड में, बल्कि प्रमुख महानगरों में भी चिंता का विषय है। महिलाओं को कई मोर्चों पर कठिनाइयों का सामना करना पडता है – कार्यस्थल पर यौन शोषण, घरेलू हिंसा, उचित चिकित्सा सुविधाओं की कमी, शिक्षा की कमी आदि। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाती है कि महिलाओं को निवारण की एक उचित व्यवस्था मिले और उनके अधिकारों पर अंकुश न लगे। इनमें से कुछ कानून हैं;

क) घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005

ख) कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीडन (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013.

ग) बच्चों के यौन अपराध की रोकथाम अधिनियम, 2021

हालांकि, कार्यान्वयन होने के लिए बहुत कुछ करना आवश्यक है। एक समाज के रूप में, भारत को वास्तव में अपनी महिलाओं को मुक्त करना है ताकि वे राष्ट्र निर्माण में योगदान कर सकें जो हमें छलांग लगाने में मदद कर सकते हैं। हमें एक लंबा रास्ता तय करना है।

सपना नंबर 2

एक सामंजस्यपूर्ण समाज आतंक मुक्त - सभी रूपों में आतंकवाद को खत्म करने का सपना हमें हमेशा सक्रिय रूप से देखना चाहिए। अतीत में भारत वामपंथी और दक्षिणपंथी दोनों तरह के अतिवाद का शिकार रहा है। वास्तव में, पूर्व प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह ने वामपंथी अतिवाद (एल डब्लियु ई) को हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। विश्लेषकों के अनुसार, भारत के 7 राज्यों में भारत के 183 जिले एलडब्लियुई से प्रभावित हैं। भारत सरकार ने आर्थिक रूप से भी इस खतरे को रोकने का प्रयास किया है। लेकिन एल डब्लियु ई काफी चिंता का स्रोत बन गया है। जब तक हम एक सामंजस्यपूर्ण समाधान नहीं बनाते हैं, तब तक हमारी आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्सा विद्रोही रहेंगे, जो हमारे राष्ट्रीय एजेंड को बुरी तरह विकृत कर रहा है। सभी भारतीयों को अच्छे नागरिकों के रूप में कार्य करने के लिए आगे आना चाहिए, हमारी एजेंसियों को किसी भी नापाक डिजाइन से अवगत कराते रहना चाहिए, और यह सुनिश्चित करना कि हमारे युवा आई एस आई एस या अल-कायदा जैसे किसी भी आतंकवादी संगठन द्वारा कट्टरपंथी न बनें। आतंकवाद से मुक्त भारत वास्तव में एक सपना है जिसे भारत को सोने नहीं देना चाहिए।

सपना नंबर 3

एक खुशहाल भारतीय समाज - विशेषाधिकार प्राप्त भारतीयों के रूप में, हम में से हर एक को तब तक आराम नहीं करना चाहिए जब तक कि अंतिम वंचित भारतीय शिक्षित न हो जाए, ठीक से खाये, कपडे पहने और उसे आश्रय की कमी न हो। इसके अलावा, हम तब तक नहीं रुक सकते जब तक भारत एक स्वच्छ देश नहीं बन जाती है। हालांकि राज्य नीति (डीपीएसपी) के निर्देशक सिद्धांतों ने इसे सुनिश्चित करने के लिए 1950 से ही अधिकार दिया था, यह केवल हाल के दिनों में है कि हमने शिक्षा का अधिकार (आर टी ई) और खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे कानून बनाए हैं, जो पिताओं की दृष्टि को वास्तविकता में बदलने की ताकत रखा है। इस तरह की पहल, अगर ईमानदारी से लागू की जाए, तो भारत को एक संवेदनशील राष्ट्र में बदलने की क्षमता है जो अपने नागरिकों की देखभाल करता है।

आखिरकार - इन सपनों के अलावा, कुछ बुरे सपने हैं जिन्हें भारत को सोने नहीं देना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण और रणनीतिक दुःस्वप्न में से एक, दुनिया में चल रहा शक्ति संघर्ष है। यह अफगानिस्तान, मध्य एशियाई गणराज्य, मध्य पूर्व अफ्रीकी महाद्वीप या हिंद महासागर क्षेत्र (आई ओ आर) हो, ऐसा प्रतीत होता है कि दुनिया में चार से पांच प्रमुख खिलाड़ी हैं और बाकी देश मात्र बडे खेल (ग्रेट गेम) में प्यारे बन गए हैं। असुरक्षा का भाव दुनिया के अधिकांश देशों की विदेश नीति का आधार बन गया है। हमें यह समझने की ज़रूरत है कि दुनिया के नागरिकों के रूप में हमें एकजुट और शांतिपूर्ण दुनिया के सपने से जीने की ज़रूरत है। आइए हम अपने सपनों को जीने का मौका दें और बुरे सपनों को दूर रखने की कोशिश करें। भारत में दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' की शक्ति दिखाने की क्षमता है और दुनिया की पहली शहरी सभ्यता (सिंधु घाटी) की महान विरासत के लिए, यह सकारात्मक रूप से खुद को आश्वस्त करने का समय है।

21वीं शती में मानवी अंगदान की आवश्यकता और सामाजिक जागृता

नेत्रदान, रक्तदान, अंगदान, देहदान, श्रेष्ठ दान है:-

पी.वी.पाटील
अधिकारी - 2
एचएलएल - कनगला फैक्टरी

संपूर्ण संसार में 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिन और 6 अगस्त को अंगदान दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि मानव के अंग अनमोल है। मानव जन्म पाना यह एक सौभाग्य की बात मानी गई है। अनेक जीव जंतुओं में मनुष्य का शरीर पंचतत्वों से बना है, इसलिए आत्मा और शरीर के बीच अटूट नाता होता है। इसमें आत्मा को अविनाश, अमर, संजीवनी ऐसे नाम से संबोधित करते हैं, कारण है शरीर से आत्मा का नाता टूट गया तो वह शरीर मिट्टी के कणों में समाहित हो जाता है। अतः यह सत्य है कि शरीर तथा शरीर के प्रत्येक अंग का विनाश निश्चित है। इसलिए अंगदान के महत्व के बारे में प्रचीन काल से ही हमारे शास्त्रों में कहा गया है। इसका प्रमाण है महर्षि दधीची ने अपना शरीर दान किया और उनकी हड्डी से विश्वकर्मा ने वज्रायुध बनाकर वृत्तासुर का वध किया था, इस प्रकार मानव कल्याण हेतु शरीर दान करके वे अमर हो गए।

परंतु आज कुछ लोग विश्वास करते हैं कि अंगदान करने से मोक्ष प्राप्त नहीं होता है, अंगदान से अंग भंग होने से, उस मनुष्य को मोक्ष (मुक्ति) नहीं मिलेगी। लेकिन ऐसी अंधश्रद्धा रूपी धारणा को दूर करके समाज में जागरूकता लानी चाहिए कि अंगदान से अगले जन्म में उस अंग से वंचित रह जायेगा, ये सब गलत धारणा हैं। बल्कि अंगदान से दूसरे ज़रूरत मंद व्यक्ति को वह अंग मिलने पर जितनी खुशी होती है, वह कितनी बडी तीर्थयात्रा करने से कदापि नहीं मिलेगी। उतना अधिक आनंद अवयव प्राप्त किए व्यक्ति को भी मिल जाएगा जैसे बूढे को दाँतों से खाने का जो मजा मिलेगा। अंधे को आँखें मिलेंगी तो दुनिया की सुंदरता और भी बढ जाएगी। बहरे को कान मिलेंगे तो संगीत का आस्वाद से उसका जीवन पुलकित हो जाएगा। इसलिए अंगदान करना रक्तदान से भी श्रेष्ठ दान माना गया है क्योंकि मनुष्य के मृत्यु के उपरांत वह अंग दूसरे व्यक्ति को अपनी जिंदगी कार्यक्षमता से आगे ले जाने और खुशी से जीवन यापन करने के लिए सहायक बन जाता है। हिंदु धर्म के पौराणिक ग्रंथ महाभारत में देख सकते हैं कि पहले कर्ण एक सारथी के रूप में अपमानित जीवन का सामना करने के लिए विवश था, वही कर्ण कवच कुंडल दान करने से दानशील कर्ण की महान उपाधि से आज भी सम्मानित है। इस प्रकार कर्ण का जीवन पंच पाण्डवों से भी श्रेष्ठतम बन गया। कारण है उन्होंने कवच कुंडल दान करके अपना जीवन स्वयं ही प्रकाशमान बनाया। इसी प्रकार मानव, आज जागरूक बनकर अवयव दान, अंगदान से, महानता के शिखर पर पहूँचना ही नहीं, अपना और दूसरों का जीवन कल्याणमय बनाकर, अमरता का स्रोत बहाकर, नवजीवन का साक्षीदार बन सकता है।

आज सचमुच अंगदान करना तथा इसकी आवश्यकता के बारे में लोगों को अवगत करना अत्यंत ज़रूरी है। आज की भागदौड

की जिंदगी में हम रोज़ बहुत सडक दुर्घटनायें देखते हैं जिससे अनेक लोग अपाहिज एवं अपंग बन जाते हैं, इसके अलावा भयंकर बीमारियों से ग्रस्त मानव के कई अंग नष्ट हो जाते हैं, ऐसे हज़ारों लोगों को हम इस समाज में देखते हैं, अंगदान यानी दूसरे व्यक्ति के अंग से उनको अपाहिज की जिंदगी से छुटकारा पाकर एक नयी जिंदगी मिलती है। उनको नया अंग मिलने पर जो खुशी मिलती है वह सचमुच परमपुण्य का कार्य कहा जाय तो कदापि अनुचित नहीं होगा। जैसे रक्तदान से कितनों को जीवन दान मिलता है, उसी प्रकार एक अंधे व्यक्ति को नयी आँख मिलने से उसके जीवन का अंधकार दूर होकर उसका जीवन प्रकाशमय हो जाता है। विख्यात लेखक शेक्सपियर के शब्दों में 'ऑख संसार की ओर की दरवाज़ा है, उसी समय, यह आत्मा की दरवाज़ा है।' ("The eye is the window to the world, at the same time, it is the window of the soul.")

भारत में तमिलनाडु, केरल, आंध्राप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक ये राज्य अवयव दान में आगे है। भारत में कई रोगियों की पीडा को कम करने के लिए वर्ष 1994 में भारत सरकार ने मानव अंग का प्रत्यारोपण अधिनियम पारित किया है। एक स्वस्थ व्यक्ति वर्ष में चार बार रक्तदान कर सकता है। एक व्यक्ति के अंगदान से 42 व्यक्ति की जिंदगी सार्थक बन जाती हैं, लेकिन आज हमारे देश में अवयव दान करनेवालों की संख्या केवल 1 प्रतिशत है। हर साल दो लाख किडनियों की आवश्यकता है और मिलती है केवल 6 हज़ार, लिवर चाहिए पचास हजार मिलती है केवल 6 हजार, ट्रांसप्लांट की जाती है केवल 750. इसी तरह हर साल 11 हजार आँखों की जरूरत है और मिलती है केवल 100, इससे इस बात का खुलासा होता है। हमें अवयव दान की कितनी जरूरत है उससे बढकर जन-मानस में इसकी जागरूकता का अभाव दिखाई दे रहा है। इसके अतिरिक्त हार्ट, किडनी एवं लिवर की बीमारियों से पीडित असंख्य व्यक्तियों को देखा जाता है, इसलिए हमें जागरूक रहना चाहिए। साथ ही अंगदान करने के लोगों की शंकायें दूर करना तथा उनके मन से हिचहिचाहट दूर करके अंगदान करनेवालों को प्रोत्साहित करना, अंगदान करने के लिए लोगों की मानसिकता में बदलाव लाना आदि एक पावन कर्म ही है। एक मानव होकर मानव जाति के कल्याण करने का संकल्प करना चाहिए जैसे - हाथी, शेर, बाघ, गाय, हिरणी आदि जानवरों के अंगों का उपयोग करके मानव अपने सुखी जीवन में समृद्धि लाने की कोशिश करते हैं तो अपने अंगदान करके समाज के सामने एक आदर्श मनुष्य बनने का श्रम क्यों नहीं करते? हमारा प्रत्येक अंग अपने जीवन का मूल्यवान हिस्सा होता है। हम अंग का मूल्य रुपयों में तौल नहीं सकते, इतने अनमोल है। मानव के प्रत्येक अवयव का दान दूसरे मानव जीवन के लिए उतने ही अनमोल है। इसलिए इन्हीं अंगों को दान करने की प्रवृत्ति प्रत्येक मानव के मन में होनी चाहिए। सामाजिक संगठनों एवं शिक्षा संस्थाओं के ज़रिए सरकारी स्कूल, कॉलेज एवं समाज में इस बात की चर्चा - विमर्श, संगोष्ठी आदि आयोजित करके मानव के मन में अंगदान के प्रति जागरूकता पैदा करना चाहिए। आम इंसान में अंगदान का महत्व सिद्ध करके दिखाना चाहिए जैसे- नेत्र दान से दूसरे व्यक्ति पर इसका कितना असर पडता है। दुनिया के कई देशों में अवयव दान की संकल्पना ने अनेक मरीज़ों को नया जीवन दिया है, लेकिन भारत में अनेक तरह की सामाजिक दिक्कतों के कारण अब तक जन जागृति नहीं हो सकी है। यदि लोगों से इसके महत्व के बारे में बताये तो अवयव दान करने वालों की संख्या बढ जायेगी।

हमारे देश में प्रति वर्ष व्यक्ति के मुख्य क्रियाशील अंग जैसे हार्ट, ब्रेन, हाथ, पैर, किडनी, लिवर, नेत्र खराब होने से 5 लाख से भी ज्यादा भारतीयों की मौत हो जाती है। वास्तव में वे अभी भी जीना चाहते थे। परिवार में, समाज में एवं कार्यस्थल पर उनके अभाव से अनेक तरह की दिक्कतें होती हैं। जैसे घर के मुखिया के कोई भी अंग खराब होने से परिवार दुःखी होते हैं, बच्चे के पालन पोषण में दिक्कत होने लगती है। तब दूसरे व्यक्ति के अवयव दान से उस मुखिया का जीवन खुशियों से उभरता है, उसे अपना जीवन एक नया उपहार है। आज रक्तदान से बहुत लाभ खुद को और दूसरों को मिलता है। एक जीव बचाने के लिए तथा खुद का स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए रक्तदान की बहुत जरूरत है। इससे मानव का मात्र नहीं, समस्त मानव कुल की हिफाजत से एक स्वास्थ्य संपन्न राष्ट्र का निर्माण होता है। आज के अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं के कारण अंगदान के लिए, लिए अंग समय पर ही जरूरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। मरीज में अंग का प्रत्यारोपण करके उस अंग को ठीक ढंग से सुरक्षित रखा जाता है, जिससे दूसरे इंसान के लिए वह समय पर उपयोग हो सके और अंग पानेवाले को नया जीवन मिल सकता है। इसलिए मानव धरती पर अंगदान करके ईश्वर की भूमिका निभाने में सक्षम सिद्ध हो सकता है। अपने क्रियाशील अंग को जरूरतमंद व्यक्ति को दान करने से वह अंगदाता कितने जीवों का जीवन बचा सकता है। "Sound body is in sound mind" स्वास्थ्य जीवन ही राष्ट्र की सच्ची संपत्ती है, सुदृढ मानव ही राष्ट्र के आधार स्तंभ है।

इस तरह अंगदान करना मानव कुल के वास्ते कल्याण का कर्म है। महाभारत में गुरु द्रोणाचार्य के लिए एकलव्य ने अपने दाये हाथ का अंगूठा गुरुदक्षिणा के रूप में दान करके अर्जुन से भी श्रेष्ठ शिष्य की उपाधि, महानता हासिल की। आज भी इन महान दानशूरों की त्यागमय, आदर्शमय जीवन का अमर संदेश मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने अपने अद्वितीय साहस का परिचय अंगदान से सिद्ध करके दिखाया है। अंगदान से मानव ही धरती पर का भगवान बनकर मानव कुल का सृजनकर्ता कहलाएगा। नेत्रदान, रक्तदान, अंगदान, देहदान - ये चार दान मानव को सार्थक बनाते हैं, यही सच्ची मानव सेवा है, ईश्वर सेवा है। बस जरूरत है मानसिकता बदलने की, तो आईये, हम सब मिलकर मानव सेवा के इन पुनित कार्यों को आगे बढायें।

हार्दिक बधाइयाँ

केरल राज्य फैक्टरीस & बॉयलेर्स विभाग संस्थापित **उत्तम सुरक्षा समिति पुरस्कार** 04.03.2022 को केरल के माननीय श्रम एवं शिक्षा मंत्री श्री वी.शिवनकुट्टी से हासिल करते हैं श्री जी.कृष्णकुमार, यूनिट मुख्य, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी और टीम।

केरल राज्य फैक्टरीस & बॉयलेर्स विभाग संस्थापित **उत्तम सुरक्षा कामगार पुरस्कार** 04.03.2022 को केरल के माननीय श्रम एवं शिक्षा मंत्री श्री वी.शिवनकुट्टी से स्वीकार करता है श्री टी.पी.षण्मुखम, पैकिंग विभाग, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद केरल चैपटर से **सुरक्षा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार** 11.03.2022 को सहायक कलक्टर, एर्णाकुलम जिला श्री सचिन कुमार यादव से हासिल करते हैं श्री जी.कृष्णकुमार, यूनिट मुख्य, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी और टीम।

फैक्टरीज़ और बॉयलर विभाग, केरल सरकार द्वारा मध्यम श्रेणी की फैक्टरियों के लिए संस्थापित **उत्तम सुरक्षा निष्पादन पुरस्कार** 4 मार्च 2022 को माननीय शिक्षा और श्रम मंत्री, केरल सरकार श्री वी.शिवनकुट्टी से हासिल करते हैं श्री वी.कुट्टप्पन पिल्लै, कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) और यूनिट प्रमुख, एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी और टीम।

फैक्टरीज़ और बॉयलर विभाग, केरल सरकार द्वारा मध्यम श्रेणी की फैक्टरियों के कर्मचारियों के लिए संस्थापित **उत्तम सुरक्षा कामगार पुरस्कार** 4 मार्च 2022 को माननीय शिक्षा और श्रम मंत्री, केरल सरकार श्री वी.शिवनकुट्टी से स्वीकार करता है श्री मणिकंठन.ए, कामगार, एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा केरल के मध्यम श्रेणी की फैक्टरियों के उत्कृष्ट सुरक्षा निष्पादन के लिए लगाए गये **श्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार** 11 मार्च 2022 को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से श्री वी कुट्टप्पन पिल्लै, कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) एवं यूनिट प्रमुख, एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी और टीम हासिल करते हैं।

सेवानिवृत्ति

30 मार्च 2022 को सेवानिवृत्त होने वाले श्री ए.रंजित कुमार, प्रमुख, हाइट्स - दक्षिण को एचएलएल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तरफ से नकद पुरस्कार प्रदान करते हैं एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस। साथ हैं - श्री ई.ए. सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन, उपाध्यक्ष (आईबीडी, एसपी & सीसी), डॉ.रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), डॉ.वी.के.जयश्री, सह उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा)।
इसके अतिरिक्त मार्च तिमाही के हाइट्स तिरुवनंतपुरम की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में श्री रंजित कुमार महोदय को समिति के सदस्यों द्वारा स्मृति-चिह्न प्रदान करते हुए उनका आदर-सम्मान किया गया।

ताज़ा खबर

16 नवंबर 2021 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में एचएलएल वेंडिगो स्टाल में दौरा करते हैं श्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री।

13 नवंबर 2021 को डॉ प्रसन्ना कुमार, मुख्य अधीक्षक, एसएसपीजी मंडल अस्पताल, वारणासी और श्री कौशल राज शर्मा, जिला मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में हिंदलैब्स सीटी सेंटर का उद्घाटन कर रहे हैं, डॉ.नीलकंठ तिवारी, पर्यटन, संस्कृति और धर्मार्थ कार्य मंत्री, उत्तरप्रदेश।

26 अक्तूबर 2021 को निगमित मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में सतर्कता जागरूकता शपथ का संचालन करते हैं श्री के.बेजी जोर्ज, आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक।

एचएलएल दो प्रीमियम शैक्षणिक संस्थान- टीकेएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोल्लम और श्री चित्रा तिरुनाल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पाप्पनंकोड, तिरुवनंतपुरम के साथ उद्योग-संस्थान की बातचीत पाटने के लिए समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर करता है। 21 दिसंबर 2021 को टीकेएम कॉलेज में एमओयु दस्तावेज़ के आदान-प्रदान करते हुए देख रहे हैं, श्री ई ए.सुब्रमण्यन, निदेशक (टी & ओ), एचएलएल और डॉ.फेमिना ए, विभागाध्यक्षा, केमिक्कल इंजीनियरिंग विभाग।

प्रेस क्लब-तिरुवनंतपुरम के सदस्यों और परिवार के सदस्यों के लिए 15 जनवरी 2022 को 'हिंदलैब्स प्रिविलेज कार्ड के वितरण' का उद्घाटन करते हुए मलयालम सिने कलाकार, श्री उण्णी मुकुंदन ।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (टी & ओ) और उपाध्यक्ष, डॉ. अनिता तंपी और डॉ. रॉय सेबास्टियन के साथ विजय दिवस दिसंबर विजेता - डॉ. अबी संतोष अप्रेम, सह उपाध्यक्ष (आर & डी), श्रीमती सुजा बी, उप प्रबंधक (लैटेक्स तकनॉलजी), श्री मनोज दया, प्रबंधक (एच आर) और श्रीमती सोनिया जोय, प्रबंधक (आई टी) ।

केरल के वयनाड़ जिले के मानंतवाडी ब्लॉक के सरकारी त्रिश्शिलेरी स्कूल में एचएमए द्वारा आयोजित किए स्वास्थ्य रक्षा जागरूकता क्लास।

कॉर्पोरेट मुख्यालय में 10 जनवरी 2022 को ऑनसाइट आपातकालीन योजना, सुरक्षा एवं आपातकालीन प्रबंधन विषय पर भाषण देते हुए, श्री गोकुल वी बाबु, प्रबंधक (सुरक्षा & पर्यावरण)।

एचएलएल पेरूरकड़ा फैक्टरी द्वारा 17 दिसंबर 2021 को सभी सांविधिक निकायों और हितधारकों जैसे फायर फोर्स, पुलीस विभाग, फैक्टरी एवं बॉयलर विभाग, केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आस-पास के अस्पताल और आस-पास के औद्योगिक घरानों को शामिल करके एलएनजी टर्मिनल पर आयोजित एक ऑन-साइट मॉक ड्रिल ।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के हिस्से के रूप में, एचएलएल कनगला फैक्टरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कनगला के सहयोग से 18 दिसंबर 2021 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), कनगला में ' एनीमिया मुक्त भारत ' के तहत आयोजित 'एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम' ।

सी एच ओ में गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (टी & ओ) और उपाध्यक्षों के साथ शिक्षा व खेल में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए एचएलएल उत्कृष्टता प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार प्राप्त किए कर्मचारियों के बच्चे।

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह समारोह, 2022 के सिलसिले में 14 फरवरी को श्री वी.कुट्टप्पन पिल्लै, कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) और यूनिट प्रमुख, एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी ने ध्वजारोहण करते हुए समारोह का उद्घाटन करके उत्पादकता प्रतिज्ञा लेते हैं।

एचएलएल ऑप्टिकल्स
एचएलएल का एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

सरकारी नेत्र अस्पताल, तिरुवनंतपुरम, दूरभाष : 0471 2306966

गोल्ड
मूड्स
कंडोम